Series SSO/1

Set 2

कोड नं.
Code No. **58/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **29** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains **15** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **29** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

अर्थशास्त्र
ECONOMICS

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

निर्देश:

1. दोनों खंडों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. प्रश्नों के अंक प्रत्येक प्रश्न के सामने दिए गए हैं।

[P.T.O.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. *प्रश्न सं. 1–3 और 15–19 अतिलघूत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। प्रत्येक का उत्तर एक वाक्य में देना जरूरी है।*

4. *प्रश्न सं. 4–8 और 20–22 लघूत्तर प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक के लिए 3 अंक निर्धारित हैं। सामान्यतया प्रत्येक का उत्तर 60 शब्दों से अधिक न हो।*

5. *प्रश्न सं. 9–10 और 23–25 भी लघूत्तर प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक के उत्तर सामान्यतया 70 शब्दों से अधिक न हों।*

6. *प्रश्न सं. 11–14 और 26–29 दीर्घउत्तर प्रश्न हैं और उनमें प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। उनके प्रत्येक के उत्तर सामान्यतया 100 शब्दों से अधिक न हों।*

7. *उत्तर संक्षिप्त और विषयानुरूप हों तथा यथासंभव उत्तरों के लिए निर्धारित शब्द-सीमा का आवश्यक रूप से पालन किया जाए।*

Instructions :

1. *All questions in both the sections are compulsory.*
2. *Marks for questions are indicated against each question.*
3. *Question No. 1-3 and 15-19 are very short answer questions carrying 1 mark each. They are required to be answered in one sentence.*
4. *Question No. 4-8 and 20-22 are short answer questions carrying 3 marks each. Answers to them should not normally exceed 60 words each.*
5. *Question No. 9-10 and 23-25 are also short answer questions carrying 4 marks each. Answers to them should not normally exceed 70 words each.*
6. *Question No. 11-14 and 26-29 are long answer questions carrying 6 marks each. Answers to them should not normally exceed 100 words each.*
7. *Answer should be brief and to the point and the above word limit be adhered to as far as possible.*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड अ

SECTION A

1. यदि सीमाँत प्रतिस्थापन दर निरंतर स्थिर रहे तो अनधिमान वक्र : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) x-अक्ष के समानांतर होगा।

(b) नीचे की ओर ढलवाँ अवतल होगा।

(c) नीचे की ओर ढलवाँ उत्तल होगा।

(d) नीचे की ओर ढलवाँ सीधी रेखा होगा।

If Marginal Rate of Substitution is constant throughout, the Indifference curve will be : (choose the correct alternative)

(a) Parallel to the x-axis.

(b) Downward sloping concave.

(c) Downward sloping convex.

(d) Downward sloping straight line.

2. बजट सेट का समीकरण दीजिए। 1

Give equation of Budget Set.

3. जब उपभोक्ता की आय गिरती है तो घटिया वस्तु के कीमत–माँग वक्र पर यह प्रभाव पड़ता है : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) दायीं ओर खिसकता है।

(b) बायीं ओर खिसकता है।

(c) माँग वक्र पर ऊपर की ओर चलन होता है।

(d) माँग वक्र पर नीचे की ओर चलन होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

When income of the consumer falls the impact on price-demand curve of an inferior good is : (choose the correct alternative)

(a) Shifts to the right.

(b) Shifts to the left.

(c) There is upward movement along the curve.

(d) There is downward movement along the curve.

4. एक सामान्य वस्तु की कीमत माँग लोच के साथ ऋण-चिह्न (minus sign) जुड़ा होता है जब कि कीमत पूर्ति लोच के साथ धन-चिह्न (plus sign) । समझाइए क्यों ? 3

The measure of price elasticity of demand of a normal good carries minus sign while price elasticity of supply carries plus sign. Explain why?

5. कारण बताते हुए निम्नलिखित तालिका पर आधारित उत्पादन संभावना वक्र के आकार पर टिप्पणी कीजिए : 3

वस्तु X (इकाई)	वस्तु Y (इकाई)
0	8
1	6
2	4
3	2
4	0

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Giving reason comment on the shape of Production Possibilities curve based on the following schedule :

Good X (units)	Good Y (units)
0	8
1	6
2	4
3	2
4	0

6. हाल ही में शुरू किया गया 'स्वच्छ भारत अभियान' का अर्थव्यवस्था के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा और क्यों ? 3

अथवा

बड़ी मात्रा में विदेशी पूँजी के बाहर जाने पर अर्थव्यवस्था के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है और क्यों ?

What will be the impact of recently launched 'Clean India Mission' (Swachh Bharat Mission) on the Production Possibilities curve of the economy and why?

Or

What will likely be the impact of large scale outflow of foreign capital on Production Possibilities curve of the economy and why?

7. 'उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण' के किसी वस्तु के बाजार पर पड़ने वाले प्रभाव समझाइए। रेखाचित्र का उपयोग कीजिए। 3

Explain the effects of 'maximum price ceiling' on the market of a good. Use diagram.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

केवल दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 7 के स्थान पर।

कीमत सीमा से क्या अभिप्राय है ? अधिकतम कीमत सीमा निर्धारण के प्रभाव समझाइए। 3

For the blind candidates only in lieu of Q. No. 7.

What is price ceiling? Explain the effects of maximum price ceiling.

8. एक पूर्ण प्रतियोगी बाजार में विक्रेताओं की संख्या बहुत अधिक होती है। इस विशेषता का महत्व समझाइए। 3

There are large number of sellers in a perfectly competitive market. Explain the significance of this feature.

9. लागत की परिभाषा दीजिए। सीमाँत लागत और औसत परिवर्ती लागत के बीच संबंध बताइए। 4

अथवा

संप्राप्ति (आगम) की परिभाषा दीजिए। सीमाँत संप्राप्ति और औसत संप्राप्ति के बीच संबंध बताइए।

Define cost. State the relation between marginal cost and average variable cost.

Or

Define revenue. State the relation between marginal revenue and average revenue.

10. एक उपभोक्ता एक वस्तु पर जिसकी कीमत 5 रु. प्रति इकाई है 60 रु. व्यय करता है। जब कीमत 20 प्रतिशत गिर जाती है तो भी वह वस्तु पर 60 रु. ही व्यय करता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत-माँग लोच ज्ञात कीजिए। 4

A consumer spends Rs. 60 on a good priced at Rs. 5 per unit. When price falls by 20 per cent, the consumer continues to spend Rs. 60 on the good. Calculate price elasticity of demand by percentage method.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. एक वस्तु का बाजार संतुलन में है। इस वस्तु की माँग में 'कमी' आती है। इस परिवर्तन के कारण होने वाले प्रभावों की शृंखला समझाइए। 6

Market for a good is in equilibrium. The demand for the good 'decreases'. Explain the chain of effects of this change.

12. क्यों किसी फर्म की संतुलन की स्थिति के लिए सीमाँत लागत और सीमाँत संप्राप्ति (आगम) में समानता आवश्यक है? क्या यह संतुलन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है? समझाइए। 6

Why is the equality between marginal cost and marginal revenue necessary for a firm to be in equilibrium? Is it sufficient to ensure equilibrium? Explain.

13. परिवर्ती अनुपातों के नियम में कुल उत्पाद और सीमाँत उत्पाद में होने वाले परिवर्तनों के विभिन्न चरण बताइए। इन्हें एक ही रेखाचित्र में भी दिखाइए। 6

State the different phases of changes in Total Product and Marginal Product in the Law of Variable Proportions. Also show the same in a single diagram.

केवल दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 13 के स्थान पर ।

एक संख्यात्मक उदाहरण के आधार पर परिवर्ती अनुपातों के नियम में कुल उत्पाद और सीमाँत उत्पाद में होने वाले विभिन्न चरण बताइए। 6

For the blind candidates in lieu of Q. No. 13 only.

State, on the basis of a numerical example, different phases of changes in Total Product and Marginal Product in the Law of Variable Proportions.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपयोग करता है। दोनों की बाजार कीमत 3 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता इन दो वस्तुओं के ऐसे संयोग का चुनाव करता है जिसकी सीमाँत प्रतिस्थापन दर 3 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है ? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा ? समझाइए। 6

अथवा

एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपभोग करता है जिनकी कीमत क्रमशः 4 रु. और 5 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें X की सीमाँत उपयोगिता 5 और Y की सीमाँत उपयोगिता 4 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है ? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? उपयोगिता विश्लेषण का उपयोग कीजिए।

A consumer consumes only two goods X and Y both priced at Rs. 3 per unit. If the consumer choose a combination of these two goods with Marginal Rate of Substitution equal to 3, is the consumer in equilibrium? Give reasons. What will a rational consumer do in this situation? Explain.

Or

A consumer consumes only two goods X and Y whose prices are Rs. 4 and Rs. 5 per unit respectively. If the consumer chooses a combination of the two goods with marginal utility of X equal to 5 and that of Y equal to 4, is the consumer in equilibrium? Give reasons. What will a rational consumer do in this situation? Use utility analysis.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड ब

SECTION B

15. सरकारी बजट में ऋण से अभिप्राय : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) राजस्व घाटा

(b) राजकोषीय घाटा

(c) प्राथमिक घाटा

(d) करों में घाटा

Borrowing in government budget is : (choose the correct alternative)

(a) Revenue deficit

(b) Fiscal deficit

(c) Primary deficit

(d) Deficit in taxes

16. समष्टि अर्थशास्त्र में 'समग्र आपूर्ति' से क्या अभिप्राय है ? 1

What is 'aggregate supply' in macroeconomics?

17. गुणक का मूल्य यह होता है : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) $\frac{1}{\text{सीमाँत उपभोग प्रवृत्ति}}$

(b) $\frac{1}{\text{सीमाँत बचत प्रवृत्ति}}$

(c) $\frac{1}{1 - \text{सीमाँत बचत प्रवृत्ति}}$

(d) $\frac{1}{\text{सीमाँत उपभोग प्रवृत्ति} - 1}$

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

The value of multiplier is : (choose the correct alternative)

(a) $\frac{1}{\text{MPC}}$

(b) $\frac{1}{\text{MPS}}$

(c) $\frac{1}{1-\text{MPS}}$

(d) $\frac{1}{\text{MPC}-1}$

18. अन्य बातें पूर्ववत् रहने पर, यदि किसी देश में विदेशी मुद्रा की कीमत बढ़ती है तो इससे राष्ट्रीय आय : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) में वृद्धि की संभावना होती है

(b) गिरने की संभावना होती है

(c) वृद्धि होने और गिरने दोनों संभावनाएँ होती हैं

(d) पर कोई प्रभाव नहीं होता

Other things remaining unchanged, when in a country the price of foreign currency rises, national income is : (choose the correct alternative)

(a) Likely to rise

(b) Likely to fall

(c) Likely to rise and fall both

(d) Not affected

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

19. निम्नलिखित में गैर–कर राजस्व यह है : (सही विकल्प चुनिए) 1

(a) निर्यात शुल्क

(b) आयात शुल्क

(c) लाभाँश

(d) उत्पादन शुल्क

The non-tax revenue in the following is : (choose the correct alternative)

(a) Export duty

(b) Import duty

(c) Dividends

(d) Excise

20. विदेशों को मशीन बेचना भुगतान संतुलन खाते में कहाँ दर्ज किया जाएगा ? कारण बताइए। 3

Where will sale of machinery to abroad be recorded in the Balance of Payments Accounts? Give reasons.

21. यदि मौद्रिक सकल देशीय उत्पाद 1200 रु. है और कीमत सूचकाँक (आधार = 100) 120 है, तो वास्तविक सकल देशीय उत्पाद ज्ञात कीजिए। 3

If the Nominal GDP is Rs. 1200 and Price Index (with base = 100) is 120, calculate Real GDP.

22. लेनदेन के उन विस्तृत वर्गों के नाम बताइए जिनको भुगतान संतुलन लेखा के 'पूँजी लेखा' में दर्ज किया जाता है। 3

अथवा

लेनदेन के उन विस्तृत वर्गों के नाम बताइए जिनको भुगतान संतुलन लेखा के 'चालू लेखा' में दर्ज किया जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Name the broad categories of transactions recorded in the 'capital account' of the Balance of Payments Accounts.

Or

Name the broad categories of transactions recorded in the 'current account' of the Balance of Payments Accounts.

23. एक अर्थव्यवस्था संतुलन में है। निम्नलिखित से 'स्वायत्त उपभोग' ज्ञात कीजिए : 4

राष्ट्रीय आय	=	1000
सीमाँत उपभोग प्रवृत्ति	=	0.8
निवेश व्यय	=	100

An economy is in equilibrium. Find 'autonomous consumption' from the following :

National income	=	1000
Marginal propensity to consume	=	0.8
Investment expenditure	=	100

24. केन्द्रीय बैंक का 'जारीकर्ता बैंक' कार्य समझाइए। 4

अथवा

केन्द्रीय बैंक का 'सरकार का बैंक' कार्य समझाइए।

Explain the 'bank of issue' function of the central bank.

Or

Explain 'Government's Bank' function of central bank.

25. हाल ही में भारत सरकार ने 'जन-धन योजना' प्रारम्भ की जिसका उद्देश्य है कि प्रत्येक परिवार का कम से कम एक बैंक खाता हो। समझाइए कि इस योजना के अंतर्गत की गयी जमाएँ देश की राष्ट्रीय आय को कैसे प्रभावित करेंगी। 4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Government of India has recently launched 'Jan-Dhan Yojna' aimed at every household in the country to have at least one bank account. Explain how deposits made under the plan are going to affect national income of the country.

26. बजट के माध्यम से संसाधनों के आवंटन को प्रभावित करने में सरकार की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 6

Explain the role the government can play through the budget in influencing allocation of resources.

27. कारण बताते हुए समझाइए कि राष्ट्रीय आय का मापन करने में निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार किया जाना चाहिए : 6

(i) फर्म द्वारा चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट को फीस देने पर व्यय

(ii) फर्म द्वारा निगम कर का भुगतान

(iii) फर्म द्वारा स्वयं उपयोग के लिए फ्रीज का क्रय

Giving reason explain how should the following be treated in estimation of national income :

(i) Expenditure by a firm on payment of fees to a chartered accountant

(ii) Payment of corporate tax by a firm

(iii) Purchase of refrigerator by a firm for own use

28. स्फीतिकारी अंतर की अवधारणा समझाइए। इसको कम करने में पुनर्खरीद दर (Repo Rate) की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 6

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अपस्फीतिकारी अंतर की अवधारणा समझाइए और इसे कम करने में 'खुले बाजार के कार्यकलापों' की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Explain the concept of Inflationary Gap. Explain the role of Repo Rate in reducing this gap.

Or

Explain the concept of Deflationary Gap and the role of 'Open Market Operations' in reducing this gap.

29. 'बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद' तथा 'निवल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय' ज्ञात कीजिए : 6

		(करोड़ रु.)
(i)	किराया	100
(ii)	शेष विश्व को निवल चालू हस्तांतरण	30
(iii)	नियोजकों द्वारा सामाजिक सुरक्षा अंशदान	47
(iv)	मिश्रित आय	600
(v)	सकल देशीय पूँजी निर्माण	140
(vi)	रायल्टी	20
(vii)	ब्याज	110
(viii)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	500
(ix)	निवल देशीय पूँजी निर्माण	120
(x)	विदेशों से निवल कारक आय	(–) 10
(xi)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	150
(xii)	लाभ	200

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Calculate 'Gross National Product at Market Price' and 'Net National Disposable Income' :

		(Rs. crores)
(i)	Rent	100
(ii)	Net current transfers to rest of the world	30
(iii)	Social security contributions by employers	47
(iv)	Mixed income	600
(v)	Gross domestic capital formation	140
(vi)	Royalty	20
(vii)	Interest	110
(viii)	Compensation of employees	500
(ix)	Net domestic capital formation	120
(x)	Net factor income from abroad	(–) 10
(xi)	Net indirect tax	150
(xii)	Profit	200

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION
MARCH-2015

MARKING SCHEME – ECONOMICS (DELHI)

(SET-II)

Expected Answers / Value Points

GENERAL INSTRUCTIONS :

1. Please examine each part of a question carefully and then allocate the marks allotted for the part as given in the marking scheme below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.
2. Expected suggested answers have been given in the Marking Scheme. To evaluate the answers the value points indicated in the marking scheme be followed.
3. For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanation and definition have been indicated alongwith the value points.
4. For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark be deducted for such an error.
5. Wherever only two / three or a "given" number of examples / factors / points are expected only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.
6. There should be no effort at "moderation" of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.
7. Higher order thinking ability questions are assessing student's understanding / analytical ability.

General Note : In case of numerical question no mark is to be given if only the final answer is given.

A2	Expected Answer / Value Points	Distribution of Marks
1	**(d)** Downward sloping straight line	1
2	$p_1x_1 + p_2x_2 \leq m$	1
3	**(a)** Shifts to the right.	1
4	The measure of price elasticity of demand has a minus sign because there is inverse relation between price and demand of a normal good, while the measure of price elasticity of supply has plus sign because there is direct relation between price and supply of a good.	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5	Good X (Units) / Good Y (Units) / MRT 0 / 8 / - 1 / 6 / 2Y:1X 2 / 4 / 2Y:1X 3 / 2 / 2Y:1X 4 / 0 / 2Y:1X Since MRT is constant, PP curve is downward sloping straight line. **(Diagram not required)**	1½ 1½
6	Cleanliness reduces chances of people falling ill and, thus can ensure better health. This in turn will reduce forced absenteeism from work, raise efficiency level and thus raise country's production potential. Rise in this potential shifts PP curve to the right. **(Diagram Not required)** **OR** Large scale outflow of foreign capital from the economy will reduce resources and thus production potential of the country will fall. Fall in production potential in turn will shift the PP-Curve downwards. **(Diagram Not required)**	3 3
7	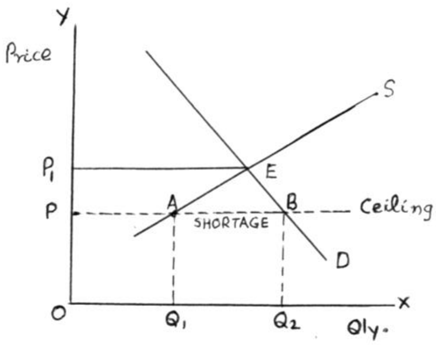 Maximum price ceiling refers to imposition of upper limit on the price of a good by the government. For example, in the diagram OP is price ceiling while equilibrium price is OP_1. At this price the producers are willing to supply only PA (Or OQ_1) while consumers demand PB (Or OQ_2). The effect of the ceiling is that shortage, equal to AB (Q_1Q_2), is created, which may further lead to black marketing. **For blind Candidates Only :** Price ceiling means putting the upper limit by the government on the price that can be charged by the producers of a good from the buyers. Maximum price ceiling, is lower than equilibrium price, leads to rise in demand and fall in supply. This creates shortage of the good in the market. This may lead to black marketing.	1 2 1 2
8	The feature signifies that the number of sellers in the market is so large that no single seller is in a position to influence the price of the good on its own i.e. by changing its output. It is because the individual seller's share in the market is insignificant.	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9	Cost in economics refers to the sum of actual money expenditure on inputs and the imputed expenditure in the form of inputs supplied by the owners including normal profit. If MC < AVC , then AVC falls If MC = AVC, then AVC is constant If MC > AVC, then AVC rises **(Diagram not required)** **OR** Revenue in Economics refers to the market value of output produced **Or** receipts from sale of output produced. If MR > AR, AR rises If MR = AR, AR is constant If MR < AR, AR Falls. **(Diagram not required)**	**1** **3** **1** **3**
10	**Price** **Exp.** **Demand** 5 60 12 4 60 15 $E_p = \frac{P}{Q} \times \frac{\Delta Q}{\Delta P}$ $= \frac{5}{12} \times \frac{3}{-1}$ $= -1.25$ **(No marks if only the final answer is given)**	**1½** **1** **1** **½**
11	- Given equilibrium, demand 'decreases.' - Price remaining unchanged, excess supply emerges. - Excess supply leads to competition among sellers causing price to fall. - Fall in price causes rise (expansion) in demand and fall (contraction) in supply. - The price continues to fall till the market is in equilibrium again at a lower price. **(Diagram not required)**	**6**
12	**The producer's equilibrium conditions are : (i)** MC = MR and **(ii)** MC > MR after equilibrium. Suppose MC > MR. In this situation it will be profitable for the firm to produce more or less depending upon relative changes in MC and MR till MC = MR. Suppose MC < MR. It will be profitable for the producer to produce more till MC = MR. MC= MR is not a sufficient condition to ensure equilibrium. Given MC = MR, suppose the behaviour of MC and MR is such that if one more unit is produced. MC becomes less than MR. Then in this case it will be profitable for the firm to produce more. Therefore, in this case though MC = MR the producer is not in equilibrium. However, if after MC = MR output MC becomes greater than MR, it will be most advantageous for the firm to produce only upto MC = MR. **(Diagram not required)**	**3** **3**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13

The Phases are :

Phase : I TP rises at increasing rate i.e. upto A in diagram.
MP rises i.e. upto 'a'

Phase : II TP rises at decreasing rate i.e. between A and B. MP falls and remains positive between 'a' and 'b'.

Phase : III TP falls i.e. after B. MP falls and is negative i.e. after 'b' **1x3**

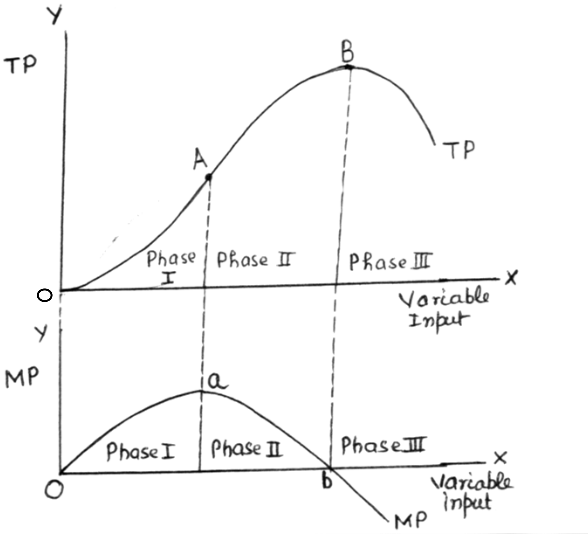

3

(Diagram on single axis is also correct)

<u>For blind Candidates Only :</u>

Variable input (Units)	TP (Units)	MP (Units)
1	6	6
2	20	14
3	32	12
4	40	8
5	40	0
6	37	-3

Or any other relevant numerical example **3**

Phases :

(1) TP increases at increasing rate and MP rises upto 2 units.
(2) TP increases at decreasing rate and MP falls but remains positive from 3 to 5 units.
(3) TP falls and MP becomes negative from 6 unit onwards.

3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14	Given Px = 3 , Py = 3 and MRS = 3, A consumer is said to be in equilibrium when MRS = $\frac{P_x}{P_y}$ Substituting values we find that 3 > $\frac{3}{3}$ i.e. MRS > $\frac{P_x}{P_y}$ Therefore consumer is not in equilibrium. MRS > $\frac{P_x}{P_y}$ means that consumer is willing to pay more for one more unit of X as compared to what market demands. - The consumer will buy more units of X. - As a result MRS will fall due to the Law of Diminishing Marginal Utility - This will continue till MRS = $\frac{P_x}{P_y}$ and consumer is in equilibrium **(Diagram not required)** **OR** Given P_x = 4 , P_y = 5 and $MU_x = 5$, $MU_y = 4$,a consumer will be in equilibrium when $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ Substituting values, we find that $\frac{5}{4}$ > $\frac{4}{5}$ Or $\frac{MU_x}{P_x} > \frac{MU_y}{P_y}$ Since per rupee MU_x is higher than per rupee MU_y , consumer is not in equilibrium. The consumer will buy more of X and less of Y. As a result MU_x will fall and MU_y will rise. The reaction will continue till $\frac{MU_x}{P_x}$and$\frac{MU_y}{P_y}$ are equal and consumer is in equilibrium.	**3** **3** **3** **3**
	SECTION - B	
15	**(b)** Fiscal deficit	**1**
16	Aggregate supply is the value of total quantity of final goods and services planned to be produced in an economy during a period.	**1**
17	**(b)** $\frac{1}{MPS}$	**1**
18	**(a)** Likely to rise	**1**
19	**(c)** Dividends	**1**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

20	Sale of machinery to abroad is export of goods and thus recorded in the Current Account. Sale of machinery to abroad brings in foreign exchange and thus recorded on the credit side. **(No marks if the reasons are not given)**	**1½** **1½**
21	$Real\ GDP = \frac{Nominal\ GDP}{Price\ Index} \times 100$ $Real\ GDP = \frac{1200}{120} \times 100$ $= Rs. 1000$ **(No marks if only the final answer is given)**	**1½** **1** **½**
22	**(1)** Borrowings from and to abroad **(2)** Investments from and to abroad. **(3)** Decreases and increases in foreign exchange reserves. **OR** **(1)** Exports and imports of goods **(2)** Exports and imports of services **(3)** Factor income receipts from abroad and payments to abroad. **(4)** Transfers from and to abroad. **(Any Three)**	**1x3** **1x3**
23	$Y = \bar{C} + MPC(Y) + I$ $1000 = \bar{C} + 0.8(1000) + 100$ $\bar{C} = 1000 - 800 - 100 = 100$ **(No marks if only the final answer is given)**	**1½** **2** **½**
24	The central bank is the sole authority for the issue of currency in the country. It promotes efficiency in the financial system. Firstly, because it leads to uniformity in the issue of currency, Secondly, because it gives Central Bank control over money supply. **OR** The Central Bank acts as a banker to the government. The central bank accepts receipts and makes payments for the government and carries out exchange, remittance and other normal banking operations for the government. The central bank manages public debt and also lends to government. **(To be marked as a whole)**	**4** **4**
25	- Opening more bank accounts means more bank deposits. - More deposits means increase in the lending capacity of the commercial banks. - More lending by banks means more investment in the country. - More investment means more national income.	**4**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

26	Government can influence allocation of resources by influencing market mechanism through taxes, subsidies and direct participation in production. Heavy taxes can be imposed on production units engaged in producing harmful products like liquor, cigarettes etc. Tax concessions and subsidies can be given to encourage production of products useful for the masses. Government can directly produce goods and services normally ignored by the private sector due to lack of enough profits. **(To be marked as a whole)**	**6**
27	**(i)** Payment of fees to chartered accountant by a firm is intermediate cost to the firm and, therefore not included. **(ii)** Payment of corporate tax by a firm is a transfer payment and thus not included. **(iii)** Purchase of a refrigerator by a firm for own use is investment expenditure and thus included. **(No marks if reason is not given)**	**2** **2** **2**
28	**<u>The Inflationary Gap</u>** is the amount by which the aggregate demand exceeds aggregate supply at the full employment level. It is called inflationary because it leads to rise in price level. **<u>Repo Rate</u>** is the rate of interest at which central bank lends to commercial banks for a short period. When central bank raises Repo Rate, the borrowings by the commercial banks become costly. This forces the commercial banks to raise their lending rates. People borrow less, and therefore spend less. This helps in reducing inflationary gap. **(Diagram not required)** **OR** **<u>Deflationary Gap</u>** is the amount by which the aggregate demand falls short of aggregate supply at the full employment level. It is called deflationary because it leads to a fall in price level. **(Diagram not required)** **<u>Open Market Operations</u>** refer to buying and selling of government securities by the central bank in the open market. Central bank can reduce deflationary gap by buying securities. Those who sell receive payments by cheques from the central bank. The money flows out from Central bank into the commercial banks. This raises lending capacity of commercial banks. Banks lend more. Spending rises which reduces deflationary gap.	**2** **4** **2** **4**
29	$GNP_{mp} = viii + (i + vi) + vii + xii + iv + (v - ix) + x + xi$ $= 500 + 100 + 20 + 110 + 200 + 600 + (140 - 120) + (-10) + 150$ $= Rs. 1690$ Crore $NNDI = GNP_{mp} - (v - ix) - ii$ $= 1690 - (140 - 120) - 30$ $= Rs. 1640$ Crore **(No marks if only the final answer is given)**	**1½** **1** **½** **1½** **1** **½**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड – अ

1. (d) नीचे की ओर ढलवां सीधी रेखा होगा। 1

2. $p_1 x_1 + p_2 x_2 \leq m$ 1

3. (a) दायीं ओर खिसकता है। 1

4. सामान्य वस्तु की कीमत और मांग में विपरीत सम्बन्ध होने के कारण मांग की कीमत लोच के माप में ऋणात्मक चिन्ह होता है जबकि पूर्ति की कीमत लोच के माप में धनात्मक चिन्ह होता है क्योंकि वस्तु की कीमत और पूर्ति में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है। 3

5.

वस्तु X (इकाईयाँ)	वस्तु Y (इकाईयां)	सी. रूपान्तरण दर
0	8	–
1	6	2Y : 1X
2	4	2Y : 1X
3	2	2Y : 1X
4	0	2Y : 1X

1½

क्योंकि सीमान्त रूपान्तरण दर स्थिर है उत्पादन संभावना वक्र नीचे की ओर ढलवां सीधी रेखा होगी। 1½

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. स्वच्छता बिमारी को दूर करती है और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करती है। इससे काम से अनुपस्थिति कम होती है, कार्यकुशलता बढ़ती है और देश की उत्पादन क्षमता बढ़ती है। अतः उत्पादन संभावना वक्र दाँयी ओर खिसक जाएगी। 3

अथवा

बड़ी मात्रा में विदेशी पूँजी के बाहर जाने से संसाधन घट जाएँगे और देश की उत्पादन क्षमता गिर जाएगी। इससे उत्पादन संभावना वक्र नीचे की ओर खिसक जाएगी। 3

(रेखाचित्र की आवश्यकता नहीं है।)

7.

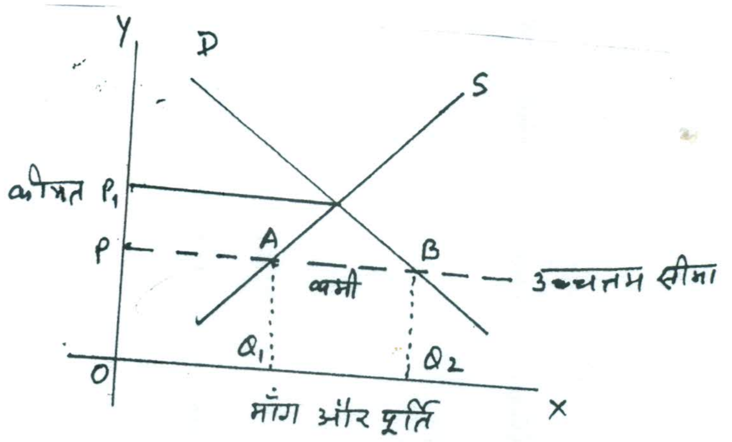

3

सरकार द्वारा किसी वस्तु की कीमत पर उच्चतम सीमा लगाना ही उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण कहलाता है। उदाहरण के लिए रेखाचित्र में OP उच्चतम कीमत सीमा है और OP_1 संतुलन कीमत है। इस कीमत पर उत्पादक PA (या OQ_1) मात्रा सप्लाई करना चाहते हैं जबकि उपभोक्ता PB (या OQ_2) मात्रा खरीदना चाहते हैं। इस उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण से वस्तु की सप्लाई AB (Q_1Q_2) कम हो गई। ऐसी स्थिति में काला बाज़ारी हो सकती है। 2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए:

उपभोक्ता से जो कीमत एक वस्तु के उत्पादक ले सकते हैं उस पर सरकार द्वारा एक अधिकतम सीमा लगाने को उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण कहते हैं। 1

उच्चतम कीमत सीमा संतुलन कीमत से कम होती है इसलिए माँग बढ़ जाती है और पूर्ति कम हो जाती है। इससे काला बाजारी हो सकती है। 2

8 इस विशेषता की सार्थकता यह है कि बाजार में विक्रेताओं की संख्या इतनी अधिक होती है कि कोई भी एक विक्रेता कीमत को प्रभावित नहीं कर सकता क्योंकि बाजार में उसका हिस्सा नगण्य होता है। 3

9 अर्थशास्त्र में आगतों पर किए गए व्यय, मालिक द्वारा प्रदान की गई आगत सेवाओं पर अन्तर्निहित व्यय और सामान्य लाभ के योग को लागत कहते हैं। 1

यदि सी. लागत < औ. परिवर्ती लागत तो औ.प.ला. घटेगी

यदि सी. लागत = औ.प. लागत तो औसत प. लागत स्थिर रहेगी।

यदि सी. लागत > औ.प. लागत तो औ.प.ला. बढ़ेगी 1×3

(रेखाचित्र की जरूरत नहीं है)

अथवा

उत्पादन के बाजार मूल्य को अर्थशास्त्र में संप्राप्ति कहते हैं। 1

या उत्पादन के बेचने मिली राशी।

यदि सी. संप्राप्ति > औ. संप्राप्ति तो औ. संप्राप्ति बढ़ेगी

यदि सी. संप्राप्ति = औ. संप्राप्ति तो औ. संप्राप्ति स्थिर रहेगी 1×3

यदि सी. संप्राप्ति < औ. संप्राप्ति तो औ. संप्राप्ति घटेगी

10

कीमत	व्यय	माँग
5	60	12
4	60	15

1½

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{की.}}{\text{माँग}} \times \frac{\Delta \text{माँग}}{\Delta \text{कीमत}}$$ 1

$$= \frac{5}{12} \times \frac{3}{-1}$$ 1

$$= -1.25$$ ½

(... लिखा है तो कोई अंक न दें)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11	संतुलन की स्थिति दी हुई है। माँग कम हो जाती है। इससे पूर्ति आधिक्य की स्थिति उत्पन्न हो जाती है पूर्ति आधिक्य से विक्रेताओं में प्रतियोगिता होती है और कीमत घट जाता है। कीमत घटने से माँग बढ़ती है और पूर्ति घटती है। कीमत तब तक घटेगी जब तक बाज़ार में संतुलन की स्थिति न आ जाए।	6.
12	उत्पादक के संतुलन की दो शर्तें हैं : (i) सीमान्त लागत = सीमान्त संप्राप्ति और (ii) संतुलन के बाद सी. लागत > सी. संप्राप्ति मान लीजिए सी. ला. > सी. संप्राप्ति। ऐसी स्थिति में सीमान्त लागत औसत सीमान्त संप्राप्ति में सापेक्षिक परिवर्तनों के अनुसार उत्पादन में परिवर्तन करना लाभप्रद होगा। ये परिवर्तन तब तक किए जाएँगे जब तक सी. ला. और सीमान्त संप्राप्ति बराबर न हो जाए सीमान्त लागत यदि सीमान्त संप्राप्ति से कम है तो उत्पादक के लिए उत्पादन बढ़ाना लाभप्रद होगा। वह तब तक उत्पादन बढ़ाएगा जब तक सी. ला. और सी. संप्राप्ति बराबर न हो जाएँ।	3
	उत्पादक के संतुलन के लिए सीमान्त लागत और सीमान्त संप्राप्ति की समानता पर्याप्त शर्त नहीं है। मान लीजिए सीमान्त लागत और सीमान्त संप्राप्ति का व्यवहार इस प्रकार का है कि एक और इकाई का उत्पादन करने पर सीमान्त लागत सीमान्त संप्राप्ति से कम हो जाती है। इस स्थिति में फर्म के लिए उत्पादन बढ़ाना लाभप्रद होगा। अतः सी. ला. और सी. संप्राप्ति की समानता संतुलन की स्थिति सुनिश्चित नहीं करती। लेकिन यदि उत्पादन के ऐसे स्तर पर सीमान्त लागत और सीमान्त संप्राप्ति बराबर है जिसके बाद उत्पादन बढ़ाने पर सीमान्त लागत सीमान्त संप्राप्ति से अधिक है तो उत्पादक के लिए उतना उत्पादन करना सबसे अधिक लाभप्रद होगा जिस पर सी. ला. और सी. संप्राप्ति बराबर हैं।	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13.

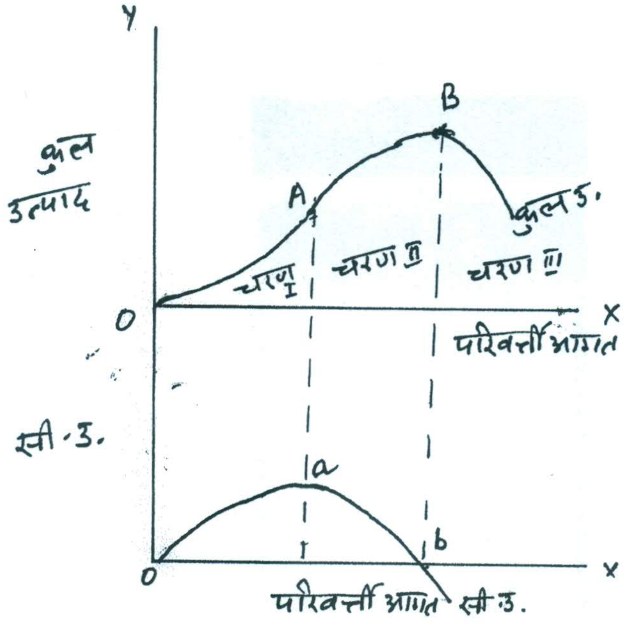

3

चरण I : कुल उत्पाद बढ़ती हुई दर से बढ़ता है। सीमान्त उत्पाद बढ़ता है। रेखाचित्र में एल। A बिन्दु तक होता है।

चरण II : कुल उत्पाद घटती हुई दर से बढ़ता है और सीमान्त उत्पाद घटता है लेकिन धनात्मक होता है। A से B तक

चरण III : कुल उत्पाद घटता है। सी. उत्पाद घटता है और ऋणात्मक होता है। यदि स्थित B बिन्दु के बाद की है। 3 × 3

केवल दृष्टिहीन ~~छात्रों~~ परीक्षार्थियों के लिए

परिवर्त्ती आगत	कुल उ.	सी. उत्पाद
1	6	6
2	20	14
3	32	12
4	40	8
5	40	0
6	37	−3

3

चरण I : कुल उत्पाद बढ़ती दर से बढ़ता है, सीमान्त उत्पाद बढ़ता है। 2 इकाई तक

चरण II : कुल उत्पाद घटती दर से बढ़ता है और सी. उत्पाद घटता है लेकिन धनात्मक होता है। 3 से 5 इकाई तक। 3

चरण III : कुल उत्पाद घटता है और सी. उत्पाद घटता है और ऋणात्मक होता है। 6 इकाई से आगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14. की.x = 3 की.y = 3 और सी. प्रतिस्थापन दर = 3

उपभोक्ता जब संतुलन में होता है तब

$$\text{सी. प्र. दर} = \frac{\text{की.}x}{\text{की.}y}$$

दिए हुए मूल्यों के आधार पर उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में नहीं है ; सी. प्र. दर $> \frac{\text{की}x}{\text{की}y}$ क्योंकि $3 > \frac{3}{3}$ 3

सी. प्र. दर के कीमतों के अनुपात से अधिक होने का अर्थ है कि उपभोक्ता बाजार की तुलना x वस्तु की एक और इकाई के लिए अधिक देने को तैयार उपभोक्ता x की अधिक इकाई खरीदना शुरू कर देगा। ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सी. प्रतिस्थापन दर ~~घटेगी~~ घटने लगेगी और यह कीमतों के अनुपात के बराबर हो जाएगी। उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में पहुँच जाएगा। 3

(रेखाचित्र नहीं चाहिए)

अथवा

कीमत$_x$ = 4 कीमत$_y$ = 5 सी.उ.$_x$ = 5 सी.उ.$_x$ = 4

उपभोक्ता के संतुलन की स्थिति में $\frac{\text{सी.उ.}x}{\text{की.}x} = \frac{\text{सी.उ.}y}{\text{की.}y}$ 3

दिए हुए मूल्यों के आधार पर उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में नहीं है क्योंकि $\frac{5}{4} > \frac{4}{5}$ यानि $\frac{\text{सी.उ.}x}{\text{की.}x} > \frac{\text{सी.उ.}y}{\text{की.}y}$

x की प्रति रु. सी.उ. > y की प्रति रु. सी.उ.

उपभोक्ता x की अधिक और y की कम मात्रा खरीदना शुरू कर देगा। इसके फलस्वरूप सी.उ.x घटेगी और सी.उ.y बढ़ेगी। उपभोक्ता की यह प्रतिक्रिया उस समय तक जारी रहेगी $\frac{\text{सी.उ.}x}{\text{की.}x}$ और $\frac{\text{सी.उ.}y}{\text{की.}y}$ बराबर न हो जाए। 3

इनके बराबर होने पर उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में ~~आ~~ आ जाएगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15	(b) राजकोषीय धारा	1
16	अर्थव्यवस्था में एक निश्चित अवधि में किए जाने वाली अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के प्रत्याशित उत्पादन के मूल्य को समग्र पूर्ति कहते हैं।	1
17	(b) $\frac{1}{\text{सी. बचत प्रवृति}}$	1
18	(a) में वृद्धि की संभावना होती है।	1
19	(c) लाभांश	1
20	विदेशों को मशीन बेचना वस्तु का निर्यात है और इसे चालू लेखा में दर्ज किया जाता है।	1½
	इससे विदेशी विनिमय प्राप्त होता है अतः इसे जमा की ओर दिखाया जाता है।	1½
21	वास्तविक सकल देशीय उ. = $\frac{\text{मौद्रिक सकल देशीय उ.}}{\text{कीमत सूचकांक}} \times 100$	1½
	$= \frac{1200}{120} \times 100$	1
	$= 1000$	½
22	पूंजी खाते लेखा में दर्ज किए जाने वाले लेन देन के विस्तृत वर्ग: (1) विदेशों से और विदेशों को उधार (2) विदेशों से और विदेशों में निवेश (3) विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि में वृद्धि और कमी	3×3
	अथवा	
	चालू लेखा में दर्ज किए जाने वाले लेन देन के विस्तृत वर्ग: (1) वस्तुओं का निर्यात और आयात (2) सेवाओं का निर्यात और आयात (3) विदेशों से और विदेशों को कारक आय (4) विदेशों से और विदेशों को हस्तांतरण (कोई तीन)	1×3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

23	राष्ट्रीय आय = स्वायत्त उपभोग + सी.उ.प्र.(रा.आय) + निवेश	1½
	1000 = स्वायत्त उपभोग + 0.8 (1000) + 100	2
	स्वायत्त उ. = 1000 − 800 − 100 = 100	½
24	देश में करेंसी जारी करने का अधिकार केवल केन्द्रीय बैंक को होता है। इससे वित्तीय प्रणाली में कुशलता बढ़ती है। इससे करेंसी संचालन में एकरूपता आती है और मुद्रा पूर्ति पर केन्द्रीय बैंक का नियंत्रण हो जाता है।	3
	अथवा	
	केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। यह सरकार के लिए प्राप्तियाँ स्वीकार करता है और भुगतान करता है। यह सरकार के लिए विनिमय संबंधी, प्रेषण और अन्य सामान्य बैंकिंग कार्य करता है। यह सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन करता है और सरकार को ऋण भी देता है।	3
25	अधिक बैंक खाते खोलने से बैंक जमाएँ अधिक होंगी। अधिक जमाओं से वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की सामर्थ्य बढ़ जाती है। बैंकों द्वारा अधिक ऋण देने से देश में अधिक निवेश होता है। अधिक निवेश से राष्ट्रीय आय बढ़ती है।	4
26	सरकार संसाधनों के आवंटन को करों, आर्थिक सहायता द्वारा और स्वयं उत्पादन करके प्रभावित कर सकती है। शराब, सिगरेट जैसी हानिकारक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली उत्पादन इकाइयों पर अधिक कर लगा सकती है। जनता के लिए वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए करों में रियायत और आर्थिक सहायता दे सकती है। ऐसी वस्तुओं और सेवाओं का स्वयं उत्पादन कर सकती है जिनसे पर्याप्त लाभ न मिलने के कारण निजी क्षेत्र उनका उत्पादन …	6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

27	(i) फर्म द्वारा चार्टर्ड अकाउन्टेंट को फीस का भुगतान फर्म की मध्यवर्ती लागत है। इसलिए इसे राष्ट्रीय में शामिल नहीं किया जाएगा।	2
	(ii) फर्म द्वारा निगम कर का भुगतान एक हस्तांतरण भुगतान है, इसलिए इसे राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता।	2
	(iii) फर्म द्वारा स्वयं उपयोग के लिए खरीदा गया फ्रीज निवेश व्यय है इसलिए इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है।	2
28	स्फीतिकारी अंतर : जब समग्र माँग पूर्ण रोजगार स्तर पर समग्र पूर्ति से अधिक होती है तो इस अन्तर को स्फीतिकारी अंतर कहते हैं।	2
	पुनर्खरीद दर वह ब्याज दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक कम अवधि के लिए वाणिज्य बैंकों को ऋण देता है। जब केन्द्रीय बैंक पुनर्खरीद दर बढ़ाता है तो वाणिज्य बैंकों को केन्द्रीय बैंक से ऋण लेना महँगा हो जाता है। इस कारण वह अपनी ब्याज दर भी बढ़ा देते हैं जिससे बैंकों से ऋण लेना महँगा हो जाता है। अतः लोग कम ऋण लेते हैं और कुल व्यय कम हो जाता है। इससे स्फीतिकारी अन्तराल कम हो जाता है।	4
	अथवा	
	अपस्फीतिकारी अंतर : जब अर्थव्यवस्था में समग्र माँग पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र पूर्ति से कम होती है तो इस अंतर को अपस्फीतिकारी अंतर कहते हैं।	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खुले बाजार के कार्यकलाप : केन्द्रीय बैंक द्वारा खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदने व बेचने को, खुले बाजार के कार्यकलाप कहते हैं।
केन्द्रीय बैंक बाजार से सरकारी प्रतिभूतियाँ खरीदकर अपस्फीतिकारी अन्तर को कम कर सकता है। जो इन प्रतिभूतियों को बेचते हैं उन्हें केन्द्रीय बैंक चैकों द्वारा भुगतान करता है। ये चैक वाणिज्य बैंकों में जमा कराए जाते हैं। इससे बैंकों ऋण देने की सामर्थ्य बढ़ जाती है, वे अधिक ऋण देते हैं। खर्चा बढ़ जाता है और अपस्फीतिकारी अन्तराल कम हो जाता है। 4

29 बाजार कीमत पर स. रा. उ. = viii + (i + vi) + vii + xii + (v − ix) + x + xi $1\frac{1}{2}$

= 500 + 100 + 20 + 160 + 200 + 140 − 120 + (−10) + 150 1

= 1090 करोड़ रु. ½

नि. राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = बाजार कीमत पर स. रा. उ. − (v − ix) − ii $1\frac{1}{2}$

= 1090 − (140 − 120) − 30 1

= 1040 करोड़ रु. ½

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in